सोण महीना चडियां पिपली पीघां पाईयां ने

सोण महीना चडियां पिपली पीघां पाईयां ने
पीघां झुटण मईया दे नाल कंजका आईया ने-॥
देखन अजब नजारा आ के चन सुरज ते तारे
मईया पींघ झुटदी -॥ कंजका देन हुलारे -॥
विषणु अते बरुमा शिव भोले भडारी जी
देखन आये मईया जी दी लीला नियारी जी-॥
जै माता दी बोलदे ने ओ -॥ हथ जोड के सारे
मईया पींघ झुटदी.....

धरती नचदी अबंर झुमे नच पाताल रिहा
देख देख खुश हुदें एह जो हो कमाल रिहा-॥
खुशीयां दे बिच देखो सारे-॥ लाऊण मा दे जैकारे
मईया पींघ झुटदी.....

सिर ते मुकट सोने दा बाही चुडा पाया ए
मईया जी ने बहुता सोहणा रुप बनाया ए-॥
हथा वाली मैहदीं दुरो-॥ पई मारे लिशकारे
मईया पींघ झुटदी.....
सबदे दिला दी जानण वाली शेरावाली मां
कंजका दे नाल पींघ झुटदी मेहरावाली मां-॥
बिटटु ते सुखराज लिखारी-॥ एहो सच ऊचारे
मईया पींघ झुटदी.....

लेखक-सुखराज नाफरीया
गायक-विपन शरमा बिटटु
मोबाईल-098154 02742

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/2890/title/sona-mahina-chidiyaa-pipapli-peengha-paaiya-ne-maiyan-peengh-jhhutdi

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |